भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 25.07.2019

महामना की बगिया का पुष्प बन इतराए भावी इंजीनियर

उत्साह

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी बीएचयू में बुधवार को मेले सरीखा माहौल दिखा। उस माहौल में जोश, उत्साह के साथ कुछ संकोच और डर के मिलेजुले भाव तैर रहे थे। मौका था बीटेक के नव प्रवेशियों का हॉस्टलों में रिपोर्टिंग का। अभिभावकों के साथ देश के अलग- अलग हिस्सों से पहुंचे नवप्रवेशी महामना मालवीय की बगिया के पुष्प बनने पर इतरा रहे थे तो विशाल और एकदम अपरिचित कैंपस देख कुछ के चेहरों पर संकोच और हिचक की भी रेखाएं उभर रही थीं। मगर, उत्साही सहपाठियों, अभिभावकों के उत्साहवर्द्धन की बदौलत ये रेखाएं कुछ ही देर टिकीं।

आईआईटी बीएचयू में जेईई मेन्स क्वालीफाई करने वाले अभ्यर्थियों को बुधवार को रैंक के आधार पर प्रवेश दिया गया। संस्थान के एकेडमिक विभाग में फीस जमा करने के बाद नव प्रवेशी छात्रों को आर्यभट्ट हॉस्टल और छात्राओं को गर्ल्स हॉस्टल मिले। आर्यभट्ट के बाहर व गर्ल्स हॉस्टल के कैंपस में दैनिक जरूरतों से संबंधित सामानों की अस्थायी दुकानें भी सजी थीं। वहां कोई सिर पर गद्दा रखे भाग रहा था तो कोई बाल्टी-मग की खरीदारी में व्यस्त रहा। कोई नई साइकिल को चला कर देख रहा था। वहीं अभिभावक मेस में खाने की क्वालटी चेक कर रहे थे।

आईआईटी बीएचयू में दाखिले के बाद इंजीनियरिंग के छात्र अपने माता-पिता के साथ हॉस्टल पहुंचे। • हिन्दुस्तान

नवप्रवेशी को हॉस्टल मिलने के बाद प्रफुल्लित छात्र के परिजन। • हिन्दुस्तान

नव प्रवेशियों को मनोवैज्ञानिक प्रो. संजय गुप्ता ने दिए टिप्स

- **संस्थान को जानें** : सारा समय हॉस्टल और कैफेटेरिया में न बिताएं। परिसर में घूमें। बगीचे, लाइब्रेरी, थिएटर को देखें। इससे कॉलेज में घर जैसा महसूस करेंगे।
- **सोशल बनें** : कॉलेज और हॉस्टल में बिना संकोच लोगों से मिलें। चुपचाप किसी कोने में बैठने से अच्छा है कि खुलकर बात करें। इससे तनाव दूर होगा।
- **रिजर्व न बनें** : नए लोग, नई जगह और नए नियमों के साथ तालमेल बिठाना होगा। रिजर्व न बनें। अपने रूम का दरवाजा बंद करके न बैठे रहें। लोगों से घुल मिल कर रहें।
- **सामान का रखें ख्याल** : घर से दूर रहने पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है। सामान के लिए सतर्क रहना सीखें। इससे जिम्मेदारी का अहसास होगा।

आईआईटी बीएचयू में दाखिले के बाद गद्दा खरीदकर हॉस्टल ले जाता छात्र।

छत्तीसगढ़ से आए आकाश रंजन सिन्हा कैंपस की हरियाली देख चकित थे। कहा कि कैंपस में प्रवेश करते ही अलग तरह की अनुभूति हुई। यहां की हरियाली लाजवाब है। आकाश का एडमिशन मैकेनिकल इंजीनियरिंग में हुआ है। कहा कि सफलता के लिए नियमित क्लास करना जरूरी है।

सासाराम, बिहार के अजीत कुमार ने कहा कि यहां एडमिशन का रोमांच है तो दूसरी तरफ घर से दूर रहने की चिंता भी है। महामना की बगिया अद्भुत है। विश्वनाथ मंदिर की भव्यता बेजोड़ है। काउंसिलग के बाद दूसरी बार बीएचयू पहुंचे अजीत ने बताया कि प्रवेश के लिए बड़ी मेहनत की है।

रतलाम, मध्य प्रदेश से आए अजय सिंह अंजना ने बताया कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय को टीवी पर देखा था। आज प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिला। महामना की इस बगिया को सर्व विद्या की राजधानी कहा जाता है। आईआईटी बीएचयू का कैंपस मिलने की अधिक खुशी है। अजय को बीटेक में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग मिला है।

अलवर, राजस्थान के अमन बंसल ने कहा कि इंजीनियरिंग करना मेरा सपना था। आईआईटी बीएचयू में पढ़ने का अवसर मिला है। महामना के बारे में इंटरनेट पर पढ़ा। उनकी दूरदृष्टि के अनुसार कैंपस किसी गुरुकुल सरीखा बना है। कैंपस में हरियाली ज्यादा है। यहां पहले पेड़ दिखते हैं, बाद में भवन। आईडीडी में इंजीनियरिंग फिजिक्स में प्रवेश मिला है।

झारखंड के अमन राज ने कहा कि बीएचयू कैंपस का वातावण बहुत अच्छा है। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचने पर गेट के सिवा दूसरा भवन नहीं दिखता। चारो तरफ हरियाली ही दिखाई दिया। आईआईटी कैंपस तथा खेल मैदान बेहतर है। अमन राज को बीटेक इलेक्ट्रिकल ब्रांच मिला है।